



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2023
32 पृष्ठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
फसल उत्पादन	4 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

पुस्तिका का क्रमांक **B-23**

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर **0378393**

2	3	3	1	4	6	7	5	8	□
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

दो	तीन	तीन	एक	चार	छः	सात	पाच	आठ	□
----	-----	-----	----	-----	----	-----	-----	----	---

नवीचे दिशे नवे उदरक्षण अनुसार रोला टिकर भरी।
भोपाल माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल

केवल परी	5
प्रश्न क्रमांक	6
	7
	8
	9
	10
	11
	12
	13
	14
	15
	16
	17
	18
	19
	20
	21
	22
	23
	24
	25
	26
	27
	28

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रश्न पत्र का सेट **B**

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **5**

ख :- परीक्षा का दिनांक **28/03/2023**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केंद्र क्रमांक की मुद्रा
हायर सेकेंडरी स्कूल, लालबाग, कट परीक्षा

केन्द्र क्रो-3.1220

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: **श. वि. के. मिश्रा**

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर: **[Signature]**

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि हेलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएँ।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: **[Signature]**

परिष्कार एवं निर्धारित मुद्रा: **[Signature]**

Sm. **[Signature]**
V.No. 3435

Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

Laser, Inkjet & Copier Lab



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर

उत्तर 1

आम्र

अमूर

उत्तर 3

गेहूँ का माता भारत

उत्तर 4

गेहूँ का माता

उत्तर 5

एगलोल

उत्तर 6

मशरूम से

प्रश्न क्रमांक 2 का उत्तर

1

खपीता

2

नीलम x क्राहरी

3

गम्व हवा

B
S
E
B
S
E



प्रश्न क्र.

4

66

ओडन्टोटमिस ओवेसस

कलिकायन

प्रश्न क्रमांक 3 का उत्तर

B
S
E

1
2
3
4

मटर
मशरूम
केला
मिर्ची
मूँगफली

उत्तर

पाउडरी मिर्च
कम्पोस्विंग
म्बूजेरी
चिपचिप ट्रेप
टिक्का

प्रश्न क्रमांक 4 का उत्तर

उत्तर 1

मेंथा का कूल लैमिएसी है।

उत्तर 2

सिट्रल एक घटक 'लेमन ग्रास' से संबंधित है।

उत्तर 3

मशरूम का वैज्ञानिक नाम 'एगेरिकस वरिस्पोरस' है।



प्रश्न क्र.

4
उत्तर माल भोग आम की बीजरि बीजरहित डिस्क है।

5
उत्तर अफेन मूसली का वानस्पतिक नाम 'क्लोरोफाइटम बोरी विलिशम' है।

प्रश्न क्रमांक 5 का उत्तर

B
S
E

1 असत्य

2 अर असत्य

3 असत्य

4 सत्य

5 असत्य

6 सत्य

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 6 का उत्तर

गन्ने की पेडी → गन्ने की फसल की कटाई के पश्चात उसकी जड़ों नए पौधे उत्पन्न करना जिससे की किसान अधिक आर्थिक लाभ होता है गन्ने की पेडी (रिड्रिंग) कहलाती है।

लाभ → ① फसल प्राप्ति के लिए किसान को अधिक धन नहीं लगता है व प्रति हेक्टेयर उत्पादन लागत कम लगती है।

② किसान बीज भूमि की तैयारी और पर धन व्यय नहीं करना पड़ता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर

बीज द्वारा प्रसारण	वानस्पतिक प्रसारण
पौधों को बीज द्वारा तैयार किया जाता है।	① पौधों को किसी दूसरे पौधों के काँपिक भाग उत्पन्न किया जाता है।
② इस प्रसारण द्वारा पौधों का पुनर्मुक्ति संभव नहीं है।	② इस प्रसारण द्वारा पौधों का पुनर्मुक्ति संभव है।
③ पौधों में मातृ पक्ष के गुण बनाए रखना मुश्किल है।	③ इस विधि से तैयार पौधों में मातृ पक्ष के गुण पाए जाते हैं।
④ इस विधि से तैयार पौधों में फल देर से लगते हैं।	④ फल आपेक्षाकृत जल्दी लगते हैं।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर अथवा

पपेन से लाभ →

- 1) पपेन का उपयोग मांस को गलाने या मुलायम करने में किया जाता है।
- 2) घने-घने पपेन से पेट सम्बन्धी बिमारी के लिए औषधियाँ बनाई जाती हैं।
- 3) पपेन से चकलेट बनाई जाती है।
- 4) सौन्दर्य प्रसाधन में मुँह में लगाने वाली क्रीम के निर्माण में उपयोग किया जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 9 का उत्तर अथवा

वानस्पतिक नाम

आवला →

एम्बेलिका आफिसिनेला

संतरा →

सिद्रस रेटिकुलाटा

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर

	सुखाना	निर्जलीकरण
1)	फल तथा साखियों को घूप में सुखाते हैं।	1) फल तथा साखियों को मशीनों द्वारा सुखाते हैं।
	इससे इस विधि से फल तथा साखियों में के गुणों में अंतर आ जाता है।	2) इस विधि से फल तथा साखियों के गुणों में न के बराबर अंतर आता है।
B S E 3	इस के प्रयोग में पूर्ण स्वच्छता नहीं रह पाती है।	3 इस विधि के प्रयोग में पूर्ण स्वच्छता रहती है।
4	घूप न निकलने पर सुखाना असंभव है।	4) इस से कभी भी फलों का सुखाया जा सकता है।

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

	मिश्रित उर्वरक	मौलिक उर्वरक
1)	दो या दो से उर्वरकों के मिश्रण से तैयार किये जाते हैं।	1) ये कारखानों में तैयार किये जाते हैं।
2)	इसे किसान अपनी इच्छा अनुसार तैयार कर सकता है।	2) इसे कारखानों में कृत्रिम विधियों द्वारा बनाया जाता है।
3)	इन्के भण्डारण के लिए अधिक स्थान की आवश्यकता होती है।	3) इनके भण्डारण के लिए कम स्थान की आवश्यकता होती है।
4)	ये किसान को सस्ते पड़ते हैं।	4) ये किसान को महंगे पड़ते हैं।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर

पोटाश तत्व की मात्रा

- 1) पोटेसियम क्लोराइड \rightarrow 60%
- 2) पोटेसियम सल्फेट \rightarrow 45%

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर

खरपतवारी की विशेषताएँ \rightarrow

- खरपतवारी
- 1) खरपतवारी में सुसुप्त रूप में अवस्था का गुण पाया जाता जिससे कि खरपतवारी के बीज कई वर्षों तक भूमि में रहते हैं व विशेष परिस्थिति में उगते हैं।
- 2) खरपतवारी का बीज उत्पादन अधिक होता है।
- 3) खरपतवारी को उनके वानस्पतिक आगे से भी उगा सकते हैं।
- 4) खरपतवारी का जीवनकाल छोटा होता है।
- 5) खरपतवारी भूमि के कणों को आपस में बांधे रहते हैं।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर

शोभाकारी उद्यान	स्थान
1) सुगन्ध गार्डन	नई दिल्ली
2) ताल गार्डन	आगरा
3) शालीमार गार्डन	श्रीनगर
4) राक गार्डन	चंडीगढ़
5) राज गार्डन	बंगलूर
6) कमला नेहरू पार्क	मुंबई

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

सहकारिता \rightarrow 'सहकारिता' दो शब्दों से मिलकर बना है। सह + कारिता। सहकारिता जिसका अर्थ है मिलकर काम करना। इसमें सभी सदस्यों को समानता का अधिकार होता है व पूरा संगठन मिलकर कार्य करता है। जिसे हम सहकारिता कहते हैं।

सिद्धान्त \rightarrow 1) सहकारिता एक ऐच्छिक संगठन है।
2) सहकारी संगठन के सभी सदस्यों को समानता का अधिकार प्राप्त होता है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

पोषक तत्वों की अनिवार्यता की कसौटी आर्नेन ने 1939 में दी थी जो कि निम्नलिखित है -

- 1) जिस पोषक तत्व की आवश्यकता पौधों की वनस्पतिक वृद्धि के लिए होती है तथा उसके अभाव में पौधा अपना जीवनकाल पूरा नहीं कर पाता आवश्यक पोषक तत्व कहलाता है।
- 2) उस तत्व की कमी की पूर्ति कोई दूसरा पोषक तत्व नहीं कर सकता।
- 3) वह तत्व प्रत्यक्ष रूप से पौधों की उपापचयी क्रियाओं में भाग लेता है व उसकी कमी से वृद्धि रुक जाए।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

खाद	उर्वरक
1) खाद कार्बनिक पदार्थ है।	1) खूरिया को छोड़के सभी अकार्बनिक यौगिक हैं।
इसे किसान जेत पर तैयार करता है।	2) उर्वरक कारखानों में कृत्रिम विधि द्वारा बनाए जाते हैं।
इसमें पौधों की आवश्यकता के लिए सभी पोषक तत्व उपलब्ध रहते हैं।	3) इनमें मुख्यतः एक या दो तत्व ही उपस्थित रहते हैं।
4) इनके प्रयोग से भूमि की भौतिक षण सुधारती है।	4) इनके प्रयोग से भूमि की भौतिक षण बिगड़ती है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर अथवा

जल निकास \rightarrow पौधों के जड़ क्षेत्र से अनावश्यक जल को कृत्रिम विधियों विधियों द्वारा बाहर निकालने की क्रिया को जलनिकास कहते हैं।

जल निकास की प्रमुख प्रणालियाँ 3 हैं जो निम्नलिखित हैं \rightarrow

- 1) प्राकृतिक प्रणाली \rightarrow इस विधि में जल निकास नालियाँ भूमि के प्राकृतिक ढाल के साथ बहती रहती हैं।
- 2) हरिंग वैन प्रणाली \rightarrow इस प्रणाली में मुख्य जल निकास नाली घेत के बीच-बीच बनाई जाती है तथा सहायक नालियाँ उसमें आके मिलती हैं।
- 3) गिरिडिरोन प्रणाली \rightarrow इस प्रणाली में मुख्य जल निकास नाली घेत के निचले ढाल पर बनाई जाती है। व सहायक नालियाँ आके मिलती हैं।

B
S
E



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर अथवा

अमरूद की जैली बनाने की विधि →

1) फलो का चयन → जैली बनाने में स्वस्थ, अचपके अमरूदों का चयन करना चाहिए।

2) फलो की कटाई → जैली बनाने के लिए स्वस्थ अमरूद के फलो को अपनी आवश्यकता अनुसार टुकड़ों में काट लेना चाहिए।

3) पेक्टिन का निष्कासन → एक पतले में 400 g पानी में फलो के टुकड़ों को डाल कर आग में उबालते हैं व 25-30 मिनट बाद फलो के टुकड़ों से पेक्टिन निकलकर पानी में घुल जाए गा अब एक कपड़े में पके व गुँदे को लेकर रस व गुँदा अलग कर लेते हैं।

4) जैली को पकाना → एक स्टेनलेस स्टील के बर्तन में पेक्टिन युक्त रस को लेकर 1 kg चिनी डालकर आग में 25-30 मिनट तक उबालते हैं व बाद इलाइची व ऐसस डाल देते हैं व जब जैली का ताप 221°F हो जाए तब उतार ले।

5) पैकिंग → जैली को गर्म अवस्था में बोटलों में भरके छोटे ब मोम से छ टक्कन को ब्रील कर देते हैं व ठोडे स्थान पर रख देते हैं।

B
S
E



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 20 का उत्तर अथवा

(a) वानस्पतिक नाम \rightarrow ओराइजा सैटाइवा(b) डेपाग विधि \rightarrow यह इस विधि में बीजों को पानी में डाल देते हैं व एक दिन बाद बीजों को एक बोरे ढक देते हैं बीजों में अंकुर होने के पश्चात उन्हें नए मुक्त जगह फैला देते हैं जिसमें अब की भूत अब बीजों को धेत में प्रसारित कर देते हैं।B
S
E(c) आर्मीवर्म \rightarrow इस कीट से कीटग्रसित क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की दूग्धि आती है। इस कीट के छोटे लार्वा घास की बालियों से उसका रस चूस लेते हैं व पौधा कमजोर हो जाता है। इसकी रोकथाम के लिए मिथाइल पैराथिया या परमेथिन का छिड़काव करते हैं।(d) प्रमुख रोग \rightarrow 1) पत्तियोंका जीवाणु झुलसा \rightarrow यह एक जीवाणु जनित रोग जिसका रोगजनक पेंथोमोनस ओराइजी से है। इससे पत्तिया पीली पड़ जाती हैं व पौधा कमजोर हो जाता है इसकी रोकथाम के लिए ब्लीचिंग का छिड़काव करना चाहिए।2) ओंका रोग \rightarrow यह एक कवक जनित रोग है जो कि पैरिकुलिया ओराइजी नामक कवक से होता है। इस रोग से ग्रसित पौधों की हड्डी रुक जाती है। इसकी रोकथाम के लिए वर्गीडी मिफाण का छिड़काव करते हैं।



प्रश्न क्र.

बंगाल डिब्बीज → यह एक कुतूब जनित रोग है जिसका रोगकारक हैलिमैथो स्पोरियम ओराइजी है। इससे ग्रसित पौधों की पत्तियों पर पीले नारंगी धब्बे दिखाई देते हैं इसकी रोकथाम के लिए रोग प्रतिरोधी किस्मों को बोई जानी चाहिए, रोग ग्रसित पौधों को उखाड़ देना चाहिए।

खैरा रोग → यह धान का प्रमुख रोग है जो कि जिक की कमी से होता है इस रोग से पौधों की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं व पत्तियां किनारे से झुलसने लगती हैं। इसकी रोकथाम के लिए 25 kg ZnSO₄ का दिस.काव प्रति हेक्टेयर करना चाहिए।

प्रमुख जातियां →

- 1) साकेत - 4
- 2) जगन्नाथ
- 3) नीरेव IR - 8
- 4) रत्ना
- 5) जया
- 6) पूसा - 1
- 7) पूसा - 2
- 8) IR - 10
- 9) IR - 20
- 10) IR - 64

B
S
E